मनसा सेवा - 81

अव्यक्त बापदादा :- (15/12/99)

➳ _ ➳ साइलेन्स की शक्ति के आगे यह साइन्स झुकेगी। अभी भी समझते जाते हैं कि साइंस में भी कोई मिसिंग हैं जो भरनी चाहिए। **इसलिए बापदादा फिर से अन्डरलाइन करा रहा है कि अन्तिम स्टेज, अन्तिम सेवा - यह संकल्प शक्ति बहुत फास्ट सेवा करायेगी। इसीलिए संकल्प शक्ति के ऊपर और अटेन्शन दो।** बचाओ, जमा करो। बहुत काम में आयेगी। प्रयोगी इस संकल्प की शक्ति से बनेंगे। साइंस का महत्व क्यों है? प्रयोग में आती है तब सब समझते हैं हाँ साइंस अच्छा काम करती है।

➳ _ ➳ तो साइलेन्स की पावर का प्रयोग करने के लिए एकाग्रता की शक्ति चाहिए और एकाग्रता का मूल आधार है - मन की कन्ट्रोलिंग पावर, जिससे मनोबल बढ़ता है। मनोबल की बड़ी महिमा है, यह रिद्धि-सिद्धि वाले भी मनोबल द्वारा अल्पकाल के चमत्कार दिखाते हैं। आप तो विधि पूर्वक, रिधि सिद्धि नहीं, विधि पूर्वक कल्याण के चमत्कार दिखायेंगे जो वरदान हो जायेंगे, आत्माओं के लिए यह संकल्प शक्ति का प्रयोग वरदान सिद्ध हो जायेगा।

➢➢ अन्तिम स्टेज, अन्तिम सेवा - संकल्प शक्ति

➳ _ ➳ संकल्प शक्ति बहुत फास्ट सेवा करायेगी

➳ _ ➳ साइलेन्स की शक्ति के आगे यह साइन्स झुकेगी

→ साइलेन्स की पावर का प्रयोग करने के लिए एकाग्रता की शक्ति चाहिए

→ **एकाग्रता का मूल आधार है - मन की कन्ट्रोलिंग पावर**

- जिससे मनोबल बढ़ता है

➳ _ ➳ आप तो विधि पूर्वक, रिधि सिद्धि नहीं, विधि पूर्वक कल्याण के चमत्कार दिखायेंगे जो वरदान हो जायेंगे

→ कल्याण अर्थात हित भलाई

→ कल्याण अर्थात बेहतरी खैर

→ कल्याण अर्थात शुभ

→ कल्याण अर्थात प्रोग्रेस चढती कला

➳ _ ➳ **आत्माओं के लिए यह संकल्प शक्ति का प्रयोग वरदान सिद्ध हो जायेगा**

➳ _ ➳ इसलिए संकल्प शक्ति पर तीन चीजें करो

→ **अटेंशन**

→ **बढाओ और बचाओ**

→ **उनका प्रयोग करो**

➳ _ ➳ संकल्प शक्ति के साथ प्रयोग करने है

→ विज्ञान भी आज पावर आफ थोटस के साथ काम करता है

→ ऐसे ही हमे भी अपने जीवन मे संकल्प शक्ति के साथ प्रयोग करने है

➳ _ ➳ **न्यारे बन प्रयोग करो तो प्यारे बन जायेगे**

➳ _ ➳ हर चीज के साथ experiment करना है

→ साइलेंस पावर के साथ

→ संकल्प शक्ति के साथ

→ याद के बल

→ योग का बल

→ मेडिटेशन पावर

→ भावनाओं के साथ

→ कल्पना के प्रयोग

➢➢ संकल्पों के साथ किए गया पहला प्रयोग

➳ _ ➳ 1. **पानी और चावल पर प्रयोग**

→ अलग अलग बर्तन मे पानी लिया

→ अलग अलग बर्तन पर अलग अलग लिखा

- किसी पर लिखा love
- किसी पर लिखा hate
- किसी पर लिखा appericiation
- किसी पर लिखा beauty

→ फिर विशेष यंत्र से देखा गया जहां पर नेगेटिव भाव थे

- वहां पर ugly pic बनी

→ जहां पर सुंदर सुंदर लिखा गया था पोजीटिव भाव थे

- वहां पर बहुत सुंदर पिचर बनी

➳ _ ➳ हमारे शरीर मे 70% से अधिक पानी है तो जो प्रयोग वहां किया गया केवल लिखने मात्र से

→ वही इस मन पर भी लिख दिया जाए

- **<u>वो ही देह मे travel करेगा और वैसी ही चीजे प्रकट होगी</u>**

➢➢ संकल्पों के साथ किए गया दूसरा प्रयोग

➳ _ ➳ 2. Plant telepathy **पर प्रयोग**

➳ _ ➳ पोप ने भी पाया कि हर चीज से byphotons निकल रहे है

→ gardening करते समय पौधो से बाते की जाए कि तुम बहुत अच्छे हो

→ तुम मे बहुत अच्छे अच्छे फूल खिलेगे

- तो उसका रिजल्ट बहुत पोजीटिव था
- योगिक खेती उसका बहुत बडा प्रयोग है

➢➢ संकल्पों के साथ किए गया तीसरा प्रयोग

➳ _ ➳ 3. Plasibo effect

➳ _ ➳ plasibo effect अर्थात झूठी दवाई

→ **law of faith यहां काम करता है**

- मरीज आता है कहता है वही इजेक्शन लगाओ तभी ठीक होगे
- चाहे पानी का इंजेक्शन लगाया गया उसे
- उसे लगा कि इससे ही एकदम ठीक हो गया

→ **<u>जैसा माइड को बताया जाए वैसा करता है</u>**

→ जितने प्रयोग mysterious होगे अलग हट के होगे

- उतना उसका असर भी ज्यादा होगा।

→ **<u>मन मे बहुत ही healing power है</u>**

→ **<u>मन ही बीमारियो को ठीक करता है अवचेतन मन की शक्ति है</u>**

- **पर मन मे faith हो सब कुछ किया जा सकता है**

➢➢ संकल्पों के साथ किए गया चौथा प्रयोग

➳ _ ➳ 4. Nosibo effect

→ **इसमे नेगेटिविटी होती है**

→ एक दवाई बहुत अच्छी है पहले से ही किसी ने बता दिया है इस दवाई के ये ये side effect है बिल्कुल खाना मत

→ डाक्टर ने दवाई लिखी जैसे ही खायी उसका side effect हुआ

- जब से दवाई खायी है यहां दर्द होता है
- उससे कुछ होना ही नही था वो तो बस vitamin की दवाई थी
- बेचारी निर्दोष दवाई
- **Sub conscious mind ने सम्पूर्ण रूप से स्वीकार कर लिया**

→ 75 % बीमारी पहले मन मे उत्पन्न होती है फिर शरीर मे प्रवेश करती है

→ हमे knowledge होनी चाहिए बीमारी के बारे मे

- उससे भी ज्यादा होता है faith

➢➢ संकल्पों के साथ किए गया पांचवां प्रयोग

➳ _ ➳ 5. Mental training

→ mental training करो

→ या actual act करो

→ या मानसिक करो

- शरीर में जो changes होते है लगभग same होते है

→ अभी बैठे बैठे सोचो मै तेज भाग रहा हूं

→ बहुत तेज भाग रहा हूं

- तो इधर धड धड होने लगेगा और शरीर मे चेजिंज आने लगेगी

→ यहां बैठे बैठे सोचो मै बहुत बीमार हूं

→ मुझे तेज बुखार है

- लगेगा बस हूं ही

➳ _ ➳ **जितना गहरे से ये भाव लिया जायेगा वो प्रकट होना चालू हो जायेगा**

➳ _ ➳ mental training **से भी वही सब होगा जो** actual **करने से होगा**

➳ _ ➳ हमे दिन भर प्रयोग करने है